

मैं अमित सिंह गर्ग ID-SF0079732 खुद का पत्र में B.M पद पर कार्यरत था। पहले बिजपनगर प्रांत में B.M, L, B.M, पर पर कार्यरत था। मैं आज स्वतंत्र कंपनी को इमानदारी से कार्य किया है। स्पॉन्सिंग हमारी बेनी-बेटी है। 24 महीने में कंपनी में इमानदारी से कार्य किया था। सर ने मेरे उपर जो आरोप लगाया है। वो आरोप गलत है। मैंने कोई कंपनी का पैसा नहीं खाया है। यह उस समय कि बात है। जब मैं स्टाफ था। उस समय EOD hold व कॉलिंग की संस्था रहती थी। इस कारण B.M सर center-meeting को आगे बढ़ाए और उल्टी-सीधी करते थे। मैं जो center-meeting का कॉलिंग लेकर B.M सर से दे दिया था। मेरे उपर जो आरोप सर ने लगाया है। उन सर व 2,3 A.M, A.M को भी बताया था। इस का पत्र यह 20, 21 थे। मैंने कस्टमर को संस्थापन और लोन को ब्लेज करवाए थे। जिस आरोप पर मुझे कंपनी से बाहर किया गया है। उस आरोप का मैं देखी नहीं हूँ। फिर भी आप व कंपनी को लगता है। तो मैंने 1000 रुपये के लिए मेरी छवि खराब करनी करना चाहुता हूँ। और बिजपनगर प्रांत में जाकर लोन को खर्च ब्लेज कर दिए। 24 महीने मैं 1000 - रुपये के लिए मेरा करियर खराब नहीं करूँगा।

इस माह 3 तार A.M हुरि है। मेरे साथ कुछ भी नहीं मिला है। 1000 रुपये खर्च कर मैं छवि खराब नहीं करूँगा। अतः मुझे माफ़ करे आगे से इसी कोरे गलती मिलती हो उसका मैं खर्च जिम्मेदार हूँ। फिर मैं बताया जाहुता हूँ कि मैं कोई फ्रॉड (धोखाधड़ी) नहीं कि हूँ। करने वाला होला तो 24 महीने के सफर में 1000 रुपये का नहीं मिलता सर जी। मैंने हमेशा स्पॉन्सिंग से बहुत कुछ सीखा है। और हर मोड़ पर साथ देने वाली कंपनी है। MD, SH, RH, A.M, हमेशा बताते हैं कि स्पॉन्सिंग अपनी मो है। हम नो से गद्दारी, धोखा नहीं दे सकते हैं।

वत्पनाद

Amit Singh Dattar

SF0079732